उ, ऊ, और ; की मात्रा 12

राहुल उपवन जा

राहुल उपवन जा।

पुल पार कर।

गुलाब ला।

पूजा कर।

सूरज निकला ।

सुबह हुई।

सुमन नल पर जा।

बबूल की दातून कर।

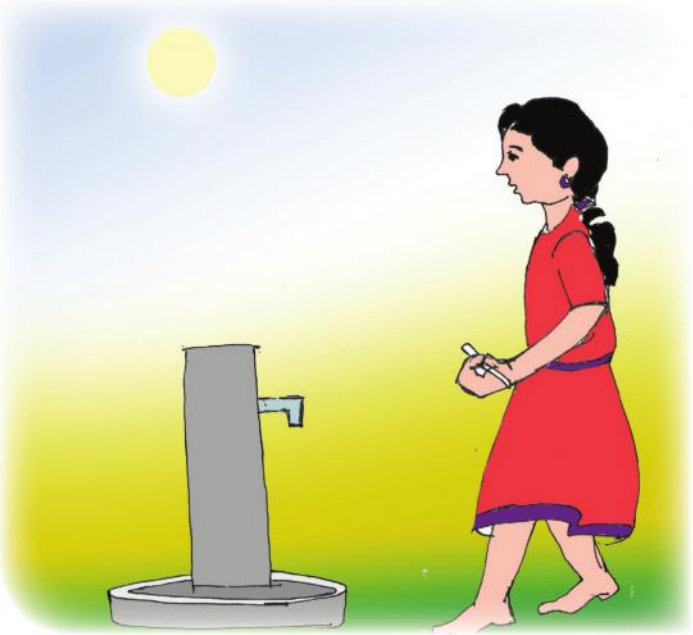

राहुल आ, सुमन आ।

मीनू आ, नीलू आ।

मिलजुलकर हलुआपुरी खा।

उ की मात्रा = ु

ऊ की मात्रा = ू

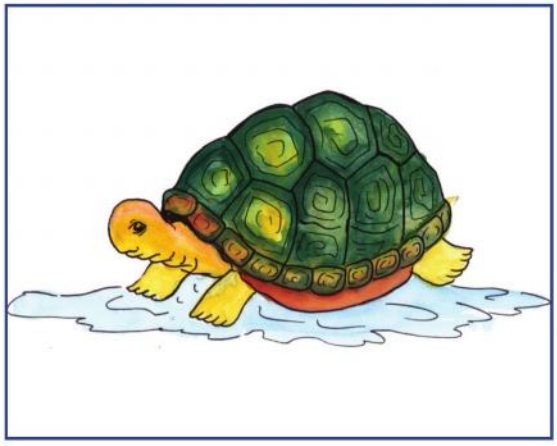

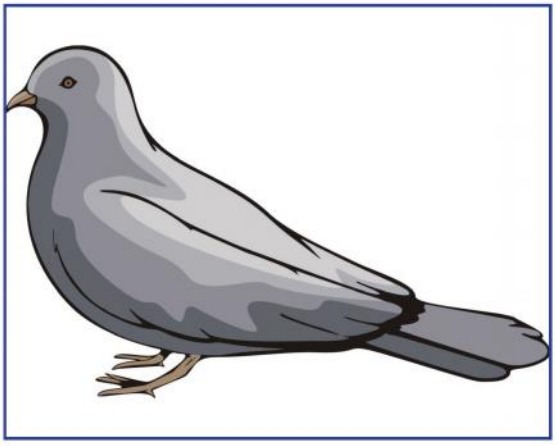

क + छ + ु + अ + ा = कछुआ

क + ब + ू + त + र = कबूतर

अब पढ़िए –

चुन बुन धुन पुल कुल फूल धूल झूल धूप जून

पुड़िया साबुन कुटिया रूकना मूरत खजूर नाखून सूरज रूठना

बुलबुल गुमसुम चुनमुन कबूतर तरबूज फूलदान मजदूर

सुबह हुई। सुनील उठ। सूरज निकला। फूल खिला। राजू आया।

दातुन कर। पुल पर मत जा। तरबूज लाया। पूजा तरबूज खा।

गुलाबजामुन खा। सुराही का पानी पी। धूप में मत घूम।

शिक्षण संकेत :

'उ' तथा 'ऊ' की मात्राओं का उच्चारण सिखाएँ। इन दोनों मात्राओं का अन्तर स्पष्ट करें। र में उ और ऊ की मात्राओं का प्रयोग। र + ु = रु – रुपया, गुरु, रूकना, रुक। र + ू = रू – रूप, अमरूद, रूठना।

; की मात्रा = ृ

ग + ृ + ह = गृह

व + ृ + क्ष = वृक्ष

अब पढ़िए –

घृत	वृक्ष	तृण	कृषि	अमृत	पृथक	सृजन	कृपया
नृप	मृत	कृपा	मातृ	कृषक	कृपाण	पृथक	कृपाल

अमृत के गृह के पास बहुत सारे वृक्ष हैं। अमृत मृदंग बजाता है। अमृत इधर आ। मात्–पितृ की सेवा कर। गृह से घृत ला। ऋषि की कुटिया पर जा। उनकी कृपा पा। आश्रम में मृग तृण चर रहा है।

शिक्षण संकेत :

मृ, गृ, वृ, आदि वर्णों का एवं उनसे मिलकर बनने वाले शब्दों का शुद्ध उच्चारण करवाएँ। उपर्युक्त अनुचछेदं का अर्थ समझाएँ।

अनुभव विस्तार

1. पढ़िए –

रुचि जामुन लाई।

मनु मुरली की धुन सुन।

रूपा झूला झूल।

पूजा काजू खा।

2. पढ़िए, समझिए और लिखिए–

जैसे –	गुलाब	=	ग + ु + ल + ा + ब	=	गुलाब
	भालू	=	भ + ा + ल + ू	=	.....
	सूरज	=	स + ू + र + ज	=	.....
	सुबह	=	स + ु + ब + ह	=	.....
जैसे –	मृग	=	म + ृ + ग	=	मृग
	नृप	=	न + ृ + प	=	.....
	वृक्ष	=	व + ृ + क्ष	=	.....
	घृत	=	घ + ृ + त	=	.....
	गृह	=	ग + ृ + ह	=	.....
	अमृत	=	अ + म + ृ + त	=	.....

3. शुद्ध उच्चारण कीजिए और लिखिए–

झुला	झूला	सुना	सूना	सुत	सूत
.....	.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....	.....

4. दिए गए शब्दों में उ (ु) और ऊ (ू) की मात्रा सही जगह लगाकर शब्दों को पूरा कीजिए–

जैसे –	सूरज	सबह	गड़िया
	फल	झला	गलाब

5. मात्रा लगाकर लिखिए –

	ा	ि	ी	ु	ू
क	का	कि	की	कु	कू
ख	.....	.....	.....	.....	.....
ग	.....	.....	.....	.....	.....
घ	.....	.....	.....	.....	.....
च	.....	.....	.....	.....	.....
छ	.....	.....	.....	.....	.....
ज	.....	.....	.....	.....	.....
झ	.....	.....	.....	.....	.....

6. नीचे दिए गए शब्दों में से ु और ू की मात्रा वाले शब्द चुनकर अलग – अलग कीजिए –

बुलबुल, भूरा, भूला, रूप, सुनना, चूहा, सुना, बुनना, गुठली, फूल, टुकटुक, पूजा

	ु	ू
जैसे –	बुलबुल	भूरा
	.....	.....
	.....	.....
	.....	.....
	.....	.....
	.....	.....

7. श्रुतलेख

फल, नगर, उपवन, नाम, बालक, नटखट,
दिन, गिलास, साइकिल, पीला, रविवार,
महल, मछली, पुल, गुलाल, चूहा,
काजू, जनवरी, बिजली, जून, रूपा, रुपया,
मृग, पृथक, कृपाण, अमृत, मृदुल, कृषि,

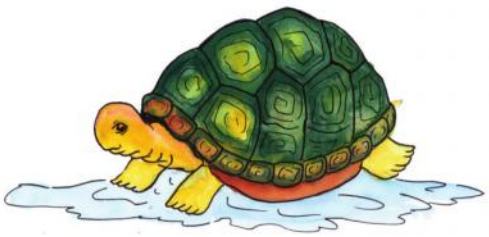

शिक्षण संकेत :

'ए' तथा 'ऐ' की मात्राओं का उच्चारण सिखाएँ तथा दोनों मात्राओं में अंतर स्पष्ट करें।
'ए' तथा 'ऐ' की मात्रा वाले शब्दों का श्रुतलेख कराएँ।
श्याम पट पर कुछ शब्द लिखकर बच्चों से 'ए' तथा 'ऐ' की मात्रा वाले शब्द छाँटने को कहें।

8. दिए गए वर्णों से खाली स्थान भरिए–

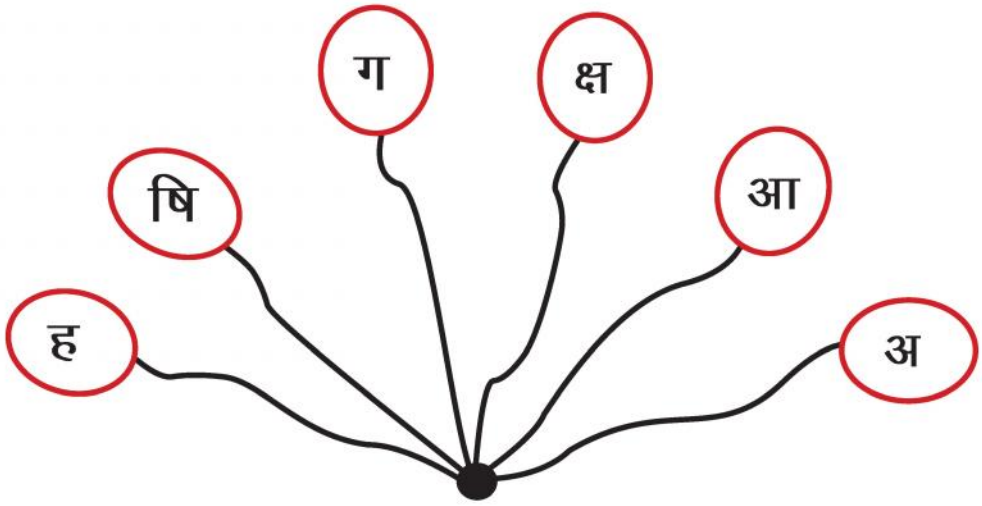

जैसे– मृग कृ..... वृ..... .....कृति .....मृत

9. उदाहरण के अनुसार शब्द बनाइए।